शिक्षकों को आपस में अकादमिक चर्चाओं में सहयोग हेतु

चर्चा पत्र

माह- नवंबर, 2021

सप्तम वर्ष अंक- 6

राज्य परियोजना कार्यालय, समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़

चर्चा पत्र हेतु एजेंडा एक: पूर्व-व्यवसायिक शिक्षा

सुनीता यादव, बरमकेला, रायगढ़ 9516409900

सुनीता यादव जी अपने आसपास पढ़ रहे उच्च प्राथमिक के बच्चों को हाट-बाजार के दिन अलग अलग दुकानों में कुछ समय बिठाकर दुकानदार के काम में सहयोग, हिसाब-किताब रखना, सामान तौल कर देना और लाभ-हानि के बारे में समझ विकसित करने की दिशा में पहल कर रही है। ऐसे करके बच्चे स्वयं व्यवसाय करने की बारीकियों को अनुभव से समझ सकते हैं।

शिवचरण साहू, माडानार, कोंडागांव 9406144111

श्री शिवचरण स्वयं लकड़ी से नाम काटकर लिखने में माहिर हैं। अपने स्कूल में खैरागढ़ विवि से प्रशिक्षित विद्यार्थियों का सहयोग लेकर मूर्तिकला और चित्रकला का काम प्रारंभ करने वाले हैं। इनके यहाँ के बहुत से विद्यार्थी इनके सहयोग से काष्ठकला में माहिर हो गए हैं। अब उम्दा स्तर की चित्रकला और मूर्तिकला भी सीखने वाले हैं। खेल में भी इनके बच्चे राज्य स्तर पर जाते हैं।

रिंकल बग्गा, लमकेनी बागबाहरा, महासमुंद 9926819169

श्री रिंकल बग्गा अपने स्कूल में बच्चों को राज्य स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए तैयार कर रहे हैं। उन्होंने नार्थ-ईस्ट से तीरंदाजी के लिए किट मंगवाया है। निकट के छात्रावास के स्पोर्ट्स शिक्षक को अपने बच्चों को तीरंदाजी सिखाने में सहयोग लिया है। उनके प्राथमिक शाला से तीरंदाजी में प्रशिक्षित विद्यार्थी अब उच्च प्राथमिक शालाओं में पढने लगे हैं। उनके इस कौशल को आगे बढाने एवं जारी रखने हेतु श्री रिंकल बग्गा इस उच्च प्राथमिक शाला में तीरंदाजी को प्री-वोकेशनल शिक्षा में लेने हेतु प्रस्तावित कर रहे हैं।

लीलाराम साहू मुड़पार, अछोटा धमतरी मों.- 9993851281

अनुभवात्मक शिक्षण के अंतर्गत बच्चों को व्यवसायिक कौशल सिखाकर, स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर बनाने हेतु गमला निर्माण का कार्य किया जा रहा है। बच्चे जब स्वयं करके सीखते हैं तब उस ज्ञान को लंबे समय तक अपनी स्मृति पटल में संजोए रखते हैं और अपने व्यावहारिक जीवन में उपयोग करते हैं। बच्चों को गमला निर्माण करने के लिए आवश्यक सामग्री एवं निर्माण की पूरी प्रक्रिया बताकर गमला निर्माण कर व्यवसायिक कौशल की जानकारी दी जा रही है। बच्चे रोमांचित हो कर अपने शाला हेतु गमला निर्माण करने के साथ-साथ अपने घर के लिए भी गमला निर्माण कर दूसरों के लिए प्रेरणा बन रहे हैं।

अन्नपूर्णा परिहार लोरमी, मुंगेली 9179567445

अन्नपूर्णा परिहार मैडम अनुभव-आधारित सीखने पर विशवास रखती हैं। उन्होंने स्वयं आयुर्वेदिक डाक्टर की डिग्री ली है और अपने बच्चों को चिकित्सा के क्षेत्र की बारीकियों को समझाने हेतु निकट के अस्पताल में कुछ दिनों तक उनकी अनुमति से अटेच कर विभिन्न विभागों के कार्यों को नजदीकी से जानने का अवसर दिया। ओपीडी में डाक्टरों के साथ बैठकर, नर्स को मरीजों को बैंडेज बांधते देखकर, बायो-मेडिकल वेस्ट के निपटारे का तरीका प्रत्यक्ष अनुभव कर जानने का प्रयास किया। उनके द्वारा इसी प्रकार से अनुमति लेकर नए नए व्यवसाय से परिचित करवाया जा रहा है।

विवेकानंद दिल्लिवार
कुथरेल, दुर्ग
9893248834

शा पूर्व मा शाला कुथरेल के कक्षा 8वी के बच्चों को बस्ताविहीन स्कूल के तहत एक सप्ताह में खराब एल ई डि बल्ब रियपेरिंग करना,सीलिंग फैंन रियपेरिंग के तहत पंखे के कंडेंसर जांच करना पंखे का भस्ट होना एवम वाइंडिंग करना, दीपावली के अवसर पर प्रदूषण रहित फटाखे चलाने वाला बन्दूक निर्माण करना एवम गांव में बेच कर आर्थिक लाभ लेना छीन झाड़ू बनाना मेरे द्वारा सिखाया गया।पिछले वर्ष बच्चों द्वारा कुल 10000दस हजार का बन्दूक विक्रय किया गया। वर्तमान में बच्चे बन्दूक को बेचकर आर्थिक कमाई भी कर रहे हैं।लोग बन्दर भगाने के लिये खरीद रहे हैं।

अनीता शर्मा
खमतराई, बिल्हा,
बिलासपुर 9424121448

अनिता शर्मा जी अपने स्कूल में बच्चों को विभिन्न गिफ्ट सामग्री बनाना नियमित रूप से सिखा रही हैं। बच्चे विभिन्न अवसरों पर दिए जाने वाले उपहार बनाने का काम सीखकर पढ़ते पढ़ते कुछ कमा भी सकते हैं। वे बच्चों को किचन में उपलब्ध सामग्री से खाने की ऐसी चीजें बनाना सिखा रही हैं जिन्हें बनाने के लिए आग की आवश्यकता नहीं होती, जैसे भेल आदि। इसकी कक्षाओं में लड़कियों एवं लडकों को उनके रूटीन एवं स्टीरियो-टाईप काम से हटकर काम दिया जा रहा है।

सईदा खान
कुड़कानार, जिला बस्तर
7000913330

सईदा खान जी ने सर्वप्रथम गांव में एक साइकिल सुधारने वाला अपनी आजीविका कैसे चलाता है उसको अपने व्यवसाय के लिए किन किन औजारों की आवश्यकता होती है आदि से बच्चों को उनसे परिचित करवाया गया तथा पंचर बनाने साइकल सुधारने में किस-किस कौशल की आवश्यकता होती है उस पर अभ्यास कराया गया तथा इस व्यवसाय से वे अपनी आजीविका कैसे चलाते है उनके द्वारा बताया गया। अब वो बच्चों को कुछ दिन सायकल दुकान में सहयोग करने एवं काम का अनुभव लेने का अवसर देना चाहती है |

जयकुमार त्रिपाठी
मा.शा.डड़िया, गौरेला-पेण्ड्रा- मरवाही
9993496760

जय कुमार अपने विद्यार्थियों को खेत में काम करने का अनुभव दिलवाना चाहते हैं। उन्होंने अपने विद्यार्थियों को पहले खेत में भ्रमण करवाने ले जाकर उनको खेत में काम करने के संबंध में किसानों से विस्तार से जानकारी दिलवाई, परिचय करवाया। इसके बाद अगले चरण में वे बच्चों को खेत में काम करने का अवसर देना चाहते हैं। ऐसा करके वे न केवल अपने पालकों का दिल जीत सकेंगे बल्कि खेती के विभिन्न पहलुओं पर भी अपना ध्यान देकर उसमे आधुनिक प्रक्रियाओं को शामिल करने के संबंध में अध्ययन कर लागू कर सकेंगे।

ममता सिंग,
SAGES, रिसाली,
दुर्ग 98931 93135

ममता सिंग द्वारा हायर सेकन्डरी स्कूल में व्यवसायिक शिक्षा के अंतर्गत कम्प्युटर सिखाया जाता है। उनके स्कूल के उच्च प्राथमिक के विधार्थी भी अक्सर आकर उनके कक्षा में बाहर से देखा करते थे। ममता जी ने इन बच्चों की रूचि को ध्यान में रखकर उन्हें भी अपने कम्प्यूटर कक्ष में बुलाकर कम्प्यूटर पर काम करना सिखाना प्रारंभ किय। वे उन्हें काम सिखाने के साथ-साथ आसपास के कम्प्यूटर से काम वाले दुकानों का भ्रमण करवाकर वहां किस किस प्रकार के काम होते हैं, उनकी जानकारी देती है।

एजेंडा दो: राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण-मोक टेस्ट का फोलो-अप

रायपुर के समन्वयक श्री अरूण शर्मा जी राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण के राज्य समन्वयक के रूप में मोक टेस्ट का आयोजन कर रहे हैं। नवंबर 12,2021 को आयोजित होने वाले राष्ट्रीय उपलब्धि परीक्षण-NAS में राज्य का बेहतर प्रदर्शन सुनिश्चित करने सभी शालाओं में कक्षा तीन, पांच, आठ एवं दस के बच्चों का तीन बार मोक टेस्ट किया जाना है ताकि बच्चों के साथ अच्छा अभ्यास किया जा सके। सभी जिलों एवं विकासखंड में NAS के लिए नोडल अधिकारी के रूप में सभी शालाओं में इन बातों को सुनिश्चित करें-

1. सभी शालाओं में बच्चों के लिए वितरित कक्षावार उपलब्धि परीक्षण के मोडल प्रश्नपत्र की मुद्रित प्रति प्राप्त कर कक्षा तीन, पांच, आठ एवं दस के बच्चों से अभ्यास करवाएं। इन कक्षाओं के सभी विद्यार्थियों के लिए इस वर्ष मार्च अंत में सभी जिलों को प्रत्येक विद्यार्थी के लिए NAS के पुराने प्रश्नपत्रों पर आधारित अभ्यास सामग्री उपलब्ध करवाई गई है। इस कार्य को शीघ्र कर लेवें।

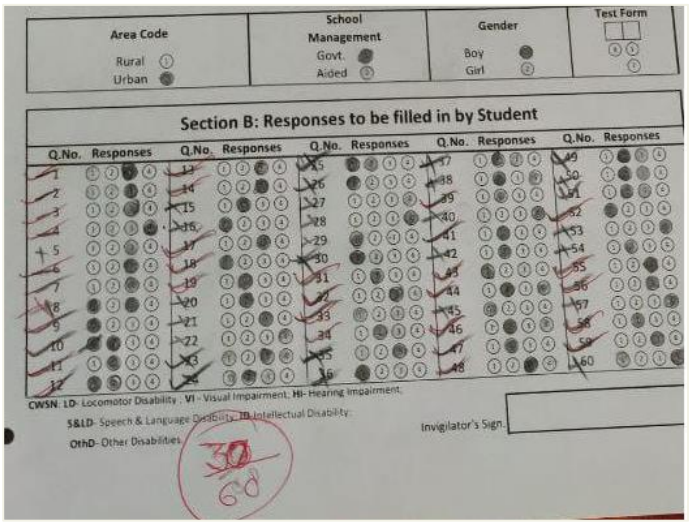

2. इन कक्षाओं के प्रत्येक विद्यार्थी को सभी प्रश्नों को समय पर हल करने, एक प्रश्न के उत्तर के लिए एक ही सही गोले पर काला करने का अभ्यास करवाएं। ये मामूली गलती पूरे राज्य के परिणामों को बहुत बड़ा नुकसान पहुंचा सकती है। विगत उपलब्धि परीक्षण में लगभग पच्चीस प्रतिशत बच्चों ने ये गलतियां की थी।
3. प्रत्येक शाला में ऐसे विद्यार्थियों की पहचान कर लेवें जो कमजोर चल रहे हैं, मोक टेस्ट में कमजोर परिणाम दे रहे हैं और ओएमआर शीट भी गलत भर रहे हैं, की पहचान कर विशेष प्रशिक्षण देवें।
4. कक्षा के लिए निर्धारित लर्निंग आउटकम और उस कक्षा से निचली दो कक्षाओं के लर्निंग आउटकम पर अभ्यास करवाएं। ऐसे प्रश्नों को देवें जिसमें सोचकर उत्तर देना हो और रटने की आवश्यकता नहीं हो। बच्चों को प्रश्न ध्यान से पढने को कहें।
5. सौ दिन सौ कहानियों की कहानियों के हिन्दी वर्शन को प्राथमिक स्कूलों में भी पढ़वाकर उन कहानियों के अंत में दिए गए पांच प्रश्नों के उत्तर देने का अभ्यास करें
6. राज्य से भेजे जा रहे तीनों मोक टेस्ट पर सभी से अभ्यास करवाएं। अपने ओर से भी प्रश्न बनाकर बच्चों से अभ्यास कर उनके द्वारा की जा रही गलतियों को सुधारें।

एजेंडा तीन: सौ दिन सौ कहानियाँ

सभी उच्च प्राथमिक शालाओं में केन्द्रीय भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर द्वारा तैयार सौ कहानियों की पुस्तकें उपलब्ध करवाई गई है। इन कहानियों को सभी बच्चों को पढ़ाने के लिए "सौ दिन सौ कहानियाँ" नामक कार्यक्रम चलाया जा रहा है। सभी जिलों में इस कार्यक्रम के निरंतर मानिटरिंग एवं मेंटरिंग हेतु नोडल अधिकारी सह मेंटरों का चयन किया गया है। इस कार्यक्रम का जिले में बेहतर संचालन के आधार पर दुर्ग जिले के नोडल अधिकारी श्रीमती पी. संजना को इस कार्यक्रम के लिए राज्य समन्वयक के रूप में जिम्मेदारी दी गयी है। उनके साथ सभी जिला एवं विकासखंड स्तरीय नोडल अधिकारी मिलकर इस कार्यक्रम के सफल क्रियान्वयन हेतु निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित करेंगे-

1. प्रत्येक शाला के एक भाषा शिक्षक इस कार्यक्रम के लिए नोडल बनकर इस बाबत तैयार टेलीग्राम ग्रुप 100 days 100 stories में स्वयं को जोड़ें।
2. स्कूल में युवा क्लब को पुस्तक वितरण, वापस लेने एवं पढवाने की जिम्मेदारी देवें।
3. प्रतिदिन प्रत्येक बच्चे को एक पुस्तक पढने का लक्ष्य देकर उसका पालन करवाएं।
4. शाला में पढने के लिए एक अलग कालखंड देवें जिसमें बच्चे स्वयं पुस्तकें पढ़ें।
5. इस कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों को पढने में रूचि, पढने की गति में सुधार एवं समझ के साथ पढने का कौशल विकसित किया जाना है।
6. बच्चों को रोचक, आकर्षक चित्र-युक्त कहानियाँ पढते हुए रूचि विकसित करें।
7. प्रत्येक पुस्तक को पढने हेतु कितने मिनट लग रहे हैं इसकी गणना कर प्रति मिनट कितने शब्द पढ़ पा रहे हैं उसकी गणना कर प्रति मिनट कुल पढ़े जा रहे शब्दों की संख्या को लगातार बढाने का प्रयास करें। प्रत्येक कहानी में कुल कितने शब्द हैं, उसकी गणना कर आपको पुस्तकवार शब्दों की सूची भेजी जा रही है।
8. प्रत्येक पुस्तक को पढने के बाद उसके अंत में दिए गए पांच प्रश्नों को हल करवाएं। प्रत्येक प्रश्न पर 20% मार्क निर्धारित कर कुल जितने प्रश्नों के सही जवाब दिए हों, उस बच्चे के समझ का स्तर उसके अनुसार निर्धारित करें। तीन सही उत्तर अर्थात उस विद्यार्थी के समझ का स्तर 60% होगा, चार सही उत्तर अर्थात 80% समझ का स्तर।
9. प्रत्येक शाला कम से कम दस बच्चों के कार्यक्रम के शुरुआती एवं सौ कहानियों के पढने के बाद के स्तर की स्पीड एवं समझ की जानकारी एक पंजी में संधारित करें।
10. संधारण का प्रारूप इस प्रकार होगा-

#	Student Name	class (VI/VII/VIII)	Book Name	time taken to read the book in minutes	Total words in English story book	Total Questions correct out of five

एजेंडा चार: आजादी का अमृत महोत्सव

इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूलों को विभिन्न कार्य करते हुए उसकी जानकारी इस बाबत बनाए गए टेलीग्राम ग्रुप में एवं अपने आपको mygov.in में पंजीयन कर उसमें निर्धारित स्थान में डाल सकते हैं। सभी शिक्षकों को mygov.in में पंजीयन करने से समय समय पर आयोजित होने वाली चर्चा, सर्वे, ग्रुप, गतिविधि एवं ब्लॉग आदि से जुड़ सकते हैं।

आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत आप निम्नलिखित कार्यक्रम स्कूलों में आयोजित कर सकते हैं-

- अपने आसपास, जिले या राज्य में स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की जानकारियों संकलित कर हस्तपुस्तिका का निर्माण। उदाहरण के लिए महासमुंद जिले के शिक्षक श्री विजय शर्मा जी ने महासमुंद जिले के स्वतन्त्रता संग्राम सेनानियों पर एक पुस्तक लिखी है।
- अपने विद्यार्थियों को अपने पसंदीदा स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के रूप में ड्रेसअप करवाएं और उसकी फोटो वेबसाईट में अपलोड करें।
- बच्चों को अपने दादा-दादी के साथ आमंत्रित कर स्वतन्त्रता संग्राम से संबंधित विभिन्न कहानियों/ घटनाओं एवं अपने अनुभवों को साझा करने के अवसर देवें।
- प्रार्थना सभाओं के दौरान बच्चों से दो मिनट के लिए आजादी के लिए किए गए आन्दोलन से संबंधित कुछ रोचक तथ्य को सुनाने का अवसर देवें।
- गणित में बच्चों के मध्य विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन- "शून्य से शिखर तक"।
- एक भारत श्रेष्ठ भारत के अंतर्गत गुजरात के साथ मिलकर विभिन्न गतिविधियाँजैसे गुजराती में सौ वाक्य सीखना- दीक्षा प्लेटफोर्म में उपलब्ध, एक भारत श्रेष्ठ भारत से संबंधित कार्य mygov.in में से देखकर सहभागिता की जा सकती है।
- भारत के स्वतन्त्रता संग्राम से संबंधित सूचनाओं पर आधारित आनलाइन क्विज कार्यक्रम
- हमारी नियमित कक्षाओं में विषय अध्यापन के दौरान भारत के स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े तथ्यों को समझाने हेतु उपयुक्त शिक्षण विधियों एवं सहायक सामग्री का उपयोग।
- जनवरी, 2022 में toy-based pedagogy पर आधारित एक वेबीनार का आयोजन। इसकी तैयारी हेतु जिलों में toy-based pedagogy पर वेबीनारों का आयोजन।
- Experientiallearning कार्यक्रम के अंतर्गत समुदाय से अपने गौरवशाली इतिहास पर चर्चा कर उल्लेखनीय बिन्दुओं का दस्तावेजीकरण करना।

अपनी शालाओं में आजादी के अमृत महोत्सव पर आधारित विभिन्न गतिविधियों को करते हुए आप उनका विवरण टेलीग्राम के एक नए ग्रुप में साझा कर सकते हैं।

एजेंडा पांच: विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन/ मानिटरिंग हेतु प्रशिक्षण

राज्य में स्कूलों में बच्चों को गुणवत्ता-परक शिक्षा सुविधा देने हेतु बहुत सारी योजनाएं संचालित की जा रही है। इन योजनाओं की संपूर्ण जानकारी हमारे जिला स्तर से लेकर संकुल स्तर के सभी अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों / शाला प्रबन्धन समिति के सदस्यों को अच्छे से होना चाहिए। इस हेतु विभिन्न स्तरों में प्रशिक्षण हेतु इन कार्यक्रमों के लिए चयनित जिला स्तरीय नोडल अधिकारी सह मेंटर को जिम्मेदारी देते हुए उनके सहयोग से जिले से लेकर विकासखंड एवं संकुल स्तर तक प्रशिक्षण के साथ-साथ सभी शालाओं में जनप्रतिनिधियों / शाला प्रबन्धन समिति के सदस्यों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करें। इन प्रशिक्षण में इन योजनाओं की जानकारी, निरीक्षण के बिंदु एवं ट्रेकिंग व्यवस्था करेंगे-

अंगना मा शिक्षा	सौ दिन सौ कहानियाँ	पढई तुंहर दुआर 2.0
गढ़बो नवा भविष्य	पूर्व व्यवसायिक प्रशिक्षण	अटल टिकरिंग लैब
युवा एवं इको क्लब	विद्यार्थी विकास सूचकांक	मासिक सर्वे में सहयोग
प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी – PLC	उपचारात्मक शिक्षा Remedial teaching	आजादी का अमृत महोत्सव AKAM
ग्राम यात्रा	टेली-प्रेक्टीज NIC के साथ	संकुलों में मासिक बैठक
चर्चा पत्र	खिलौनों से सीखना	विज्ञान के प्रयोग
हस्तलिखित सामग्री	स्थानीय भाषा में सीखना	वर्चुअल मानिटरिंग
मुस्कान पुस्तकालय	जीवन कौशल के लिए शिक्षा	राष्ट्रीय शिक्षा नीति NEP
आनलाइन प्रशिक्षण	अटल टिंकरिंग लैब ATL	प्रिंट-रिच वातावरण
ट्विनिंग ऑफ़ स्कूल	शाला प्रबन्धन समिति SMC	अनुभव-आधारित सीखना

उपरोक्त बिन्दुओं पर विभिन्न स्तरों पर प्रशिक्षण के आयोजन हेतु पीपीटी बनाकर आपको उपलब्ध करवाई जाएगी। इसमें अपने अपन जिले/ विकासखंड एवं संकुल स्तर पर किए जा रहे कार्यों का विवरण एवं फोटोग्राफ जोड़कर इसे अपना स्थानीय इनपुट देवें। जिले स्तर पर संबंधित कार्यक्रम के विशेषज्ञों को स्वयं तैयारी करने, जिले में पीपीटी में अतिरिक्त इनपुट देते हुए विकासखंडों से नोडल अधिकारियों को आमंत्रित कर अथवा पीपीटी शेयर कर आनलाइन प्रशिक्षण देकर सभी योजनाओं को सभी अधिकारियों एवं शिक्षकों को अच्छे से समझाएं। इसी प्रकार से विकासखंड स्तर से लेकर संकुल एवं शाला स्तर तक संबंधित कार्यक्रमों का आयोजन करें। विभिन्न क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रहे शिक्षकों की पहचान करें।

एजेंडा छह: ग्राम यात्रा

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा बच्चों को सर्वांगीण विकास के साथ-साथ आत्मनिर्भर बनाने वाली शिक्षा का प्रबंध किया जा रहा है। गांधीजी के आधारभूत सपनों को पूरा करने के लिए बच्चों को तैयार करने, उनके आदर्शों एवं सिद्धांतों से बच्चों को अवगत करवाने हेतु कक्षा पांचवीं से बारहवीं तक के विद्यार्थियों के लिए ग्राम भ्रमण का आयोजन किया जा रहा है। इस ग्राम भ्रमण के पूर्व, दौरान एवं पश्चात किए जाने वाले कार्यों का विवरण इस संबंध में जारी एक दिशानिर्देश पुस्तिका में उपलब्ध करवाया जा रहा है।

ग्राम भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों को निम्नलिखित मुद्दों को ध्यान देते हुए देखना होगा-

- ग्राम भ्रमण के दौरान विद्यार्थियों के साथ उनके शिक्षक. शाला प्रबन्धन समिति के सदस्य, स्थानीय जन-प्रतिनिधि, इच्छुक पालक एवं ग्रामीण विकास योजनाओं से जुड़े अधिकारी रहेंगे और विभिन्न योजनाओं की जानकारी देंगे।
- विद्यार्थी गाँव में घूमकर वहां के किसानों से, परिवारों से, विभिन्न स्व-रोजगार से जुड़े स्थानीय व्यवसायियों से, लोक-कलाकारों से और पंचायत के निर्वाचित सदस्यों से मिलकर उनसे चर्चा करेंगे।
- विद्यार्थी किसानों से चर्चा कर उनके खेती-बाडी, फसलों की जानकारी लेंगे। किसानों को गौपालन से खेती में क्या लाभ मिलता है और वर्तमान में उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार हेतु कौन कौन सी नई योजनाएं संचालित हैं, इनके बारे में जानकारी ली जाएगी।
- गाँव के स्वच्छता के बारे में चर्चा की जाएगी और यह देखने का प्रयास किया जाएगा कि गाँवों को कैसे स्वच्छ रखा जाता है। ऐसे कौन कौन से क्षेत्र हैं जहां से गन्दगी फैलने का खतरा होता है और उससे कैसे बचा जा सकता है ? सफाई के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं कैसे की जानी चाहिए ?
- ग्राम भ्रमण के दौरान विद्यार्थी विभिन्न व्यवसायों की जानकारी भी लेंगे और अपने शिक्षक से स्वयं इस प्रकार के विभिन्न व्यवसायों के बारे में जानने एवं सीखने की इच्छा व्यक्त करेंगे। साथ ही अपना काम स्वयं अपने हाथ से करने की इच्छा-शक्ति विकसित करते हुए स्वावलंबन की दिशा में कार्य करेंगे। गाँव में वे महिला स्व-सहायता समूहों से चर्चा कर उनके द्वारा स्व-रोजगार के माध्यम से आर्थिक विकास की दिशा में किए जा रहे कार्यों की जानकारी लेंगे।
- विद्यार्थी गाँव में घूम-घूमकर नरवा, गरुवा, घुरवा और बाडी योजना का अवलोकन करेंगे और गौठानों में गोपालन एवं गोबर से खाद बनाने की पद्धति को देखकर समझेंगे। गाँव में जल-संरक्षण और मृदा-संरक्षण से संबंधित मुद्दों पर जानकारी लेकर वर्षा जल-संरक्षण. जल का सुरक्षित उपयोग एवं वृक्षारोपण के माध्यम से पर्यावरण सुरक्षा संबंधी जानकारियाँ लेंगे।

एजेंडा सात: अंगना म शिक्षा

हर बच्चें की शिक्षा में परिवार के किसी न किसी सदस्य की अहम भूमिका होती है यदि आप स्वयं में भी देखेंगे तो आपको एहसास होगा कि परिवार के कोई सदस्य (माता, पिता, भाई/ बहन इत्यादि) के प्रयास व सहयोग की वजह से ही हम आज यहाँ तक पहुँचे हैं। खासतौर से इस कार्य में माँ की भूमिका बहुत अहम होती है और इसी बात को सामने रखकर **अंगना म शिक्षा** कार्यक्रम शुरू किया गया है। इस कार्यक्रम में लगभग 2 लाख माताओं तक हम पहुँचे है जो कि अत्यंत उत्साहजनक है लेकिन अभी भी लक्ष्य से काफी कम है यदि एक बार हम सभी शिक्षक इन माताओं को कुछ सरल गतिविधियों के माध्यम से यह आत्मविश्वास दिला सके कि घर में ही वह बच्चों की शिक्षा में अहम भूमिका निभा सकती है तो पूरे देश के सामने यह एक मॉडल होगा जहाँ माताएँ आगे आकर यह जिम्मेदारी लेने को तैयार हुई और इसका बहुत सकारात्मक प्रभाव बच्चों की शिक्षा में पड़ेगा। इसके लिए आवश्यक होगा कि हम नियमित अंतराल पर माताओं को स्कूल में आमंत्रित करें, उनसे चर्चा करें और उनको कुछ सरल गतिविधियाँ सिखाएं जो वह घर पर रहते हुए अपने स्तर पर कर सके।

आप लोगों से अपेक्षा है कि आप इस कार्यक्रम को गंभीरता से लेते हुए, ग्राम स्तर पर इसका क्रियान्वयन करेंगे साथ ही आवश्यक जानकारी भी इस कार्यक्रम हेतु तैयार की गई लिंक- https://docs.google.com/forms/d/e/1FAIpQLSeYyOAtY46FaHFqIbYyjMRxDo2rKwhfw9V6UDVtfhOAadZX5Q/viewform?vc=0&c=0&w=1&flr=0-- के माध्यम से साझा करेंगे ताकि आगे की योजना को तैयार करने में मदद मिले। जिन भी शिक्षकों ने इस लिंक के माध्यम से जानकारी दे दी है उन्हें दोबारा जानकारी नहीं देनी हैं।

कार्यक्रम के अगले चरण की जानकारी जल्द ही आपके साथ साझा की जायेगी उससे पहले उम्मीद है कि हर ग्राम में माताओं के एक मजबूत समूह व नेटवर्क तैयार हो जायेगा।

कोंडागांव जिले के केशकाल विकासखंड के ग्राम हरवेल की शिक्षिका श्रीमती दीपिका कोडोपी के अनुसार अँगना म शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत माताओं के उन्मुखीकरण के पश्चात माताओं में अपने बच्चों को सीखाने का काफी उत्साह बढ़ गया है।

प्राथमिक विद्यालय हरवेल की शिक्षका श्रीमती दीपिका कोडोपी बताती हैं कि इस कार्यक्रम का सबसे अच्छा असर यह हुआ है की पहले जब भी पालकों को विद्यालय बुलाया जाता था तो माताओं की उपस्थिति 10% भी नही होती थी,कई प्रयासों के बाद भी इनकी उपस्थिति नही बढ़ पा रही थी और अब इस कार्यक्रम में माताओं के उन्मुखीकरण के पश्चात विद्यालय में SMC की मीटिंग,पालक मीटिंग में माताओं की सहभागिता शत प्रतिशत हो रही हैयह कार्यक्रम माताओं को विद्यालय से जोड़ने में भी निर्णायक साबित हो रहा है।

एजेंडा आठ: आनलाइन प्रशिक्षण के साथ अतिरिक्त इनपुट्स

राज्य में हम शिक्षकों के लिए बहुत से आनलाइन कोर्सेस लेकर आ रहे हैं। अभी निष्ठा में FLN आधारित प्रशिक्षण चल रहा है। प्रशिक्षण अपने आप में बहुत अच्छा है और ज्ञानवर्धन है लेकिन क्या आपको लगता है कि ऐसे प्रशिक्षण में हमें ऐसे कुछ अतिरिक्त इनपुट स्थानीय स्तर पर देने चाहिए जिससे सीखे हुए ज्ञान को कक्षा में बच्चों की उपलब्धि में लिए ट्रांसफर किया जा सके ?

यदि आपको ऐसे कोर्स करने के बाद ऐसा कुछ महसूस हो रहा हो तो आपसे अनुरोध है कि अपनी राय अवश्य देवें और यह भी सुझाएँ कि यदि वास्तव में ये आवश्यक है तो इसे कैसे किया जा सकता है ?

इस सर्वे के परिणाम इस प्रकार रहे-

क्या आपको लगता है कि आनलाइन प्रशिक्षण के साथ-साथ हमें कक्षा में किये जाने योग्य कुछ असाइनमेंट भी देने चाहिए ताकि प्रशिक्षण का वास्तविक लाभ बच्चों की उपलब्धि में सुधार के रूप में मिल सके ?

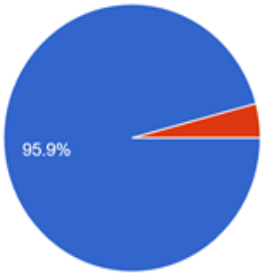

95% से अधिक शिक्षक यह मानते हैं कि उन्हें आनलाइन प्रशिक्षण के साथ कक्षा में किए जाने योग्य कुछ असाइंमेंट भी मिलने चाहिए और उन्हें पूरा करने पर ही प्रशिक्षण का वास्तविक लाभ बच्चों को मिल सकेगा।

आनलाइन प्रशिक्षण के साथ कुछ अतिरिक्त इनपुट्स आपके अनुसार किस स्तर से मिलना चाहिए ?

42.7% शिक्षकों का यह मानना है कि उन्हें आनलाइन प्रशिक्षण के साथ अतिरिक्त इनपुट्स पीएलसी अर्थात उन्ही के बीच से मिलना चाहिए। 32.2% शिक्षक ऐसे इनपुट्स राज्य स्तर से, वहीं 25.1% शिक्षक ऐसे इनपुट्स जिले स्तर से मिलने की अपेक्षा रखते हैं।

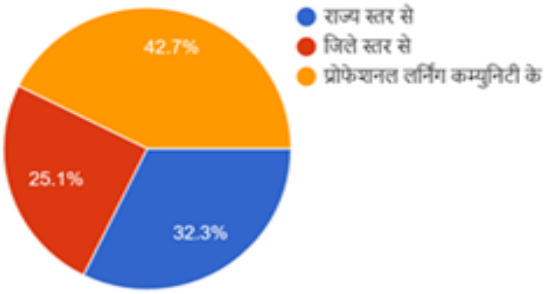

राज्य में आयोजित विभिन्न आनलाइन प्रशिक्षणों में हमें प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के माध्यम से प्रशिक्षण के आधार पर कक्षा में किए जा सकने योग्य कुछ असाइंमेंट को भी साझा करते हुए आनलाइन प्रशिक्षण ले रहे सभी शिक्षकों को कक्षाओं में पूरा करना चाहिए।

चाकलिट में आयोजित एक्स्पीरिएन्शियल प्रशिक्षण में आप अपनी कक्षा में कर रहे चीजों को टेलीग्राम ग्रुप में साझा कर सकते हैं। https://t.me/joinchat/hQ6dH67fq2FmY2Nl

Experientiallearning village tour telegram group

एजेंडा नौ: गढ़बो नवा भविष्य

प्राथमिक स्तर पर इस पुस्तक को पढ़वाकर पढने से पूर्व एवं पढने के बाद बच्चों को कितने व्यवसायों के नाम औसतन सीख गए हैं की जानकारी गूगल फॉर्म में देवें। कोशिश करें कि प्राथमिक का प्रत्येक बच्चा इस पुस्तक को पढने के बाद कम से कम पचास विभिन्न व्यवसायों के नाम और उनके काम को बहुत अच्छे से समझ सकें। एक अध्ययन में यह बात सामने लाई गयी है कि हमारे बच्चों को केवल अधिकतम पांच व्यवसायों के नाम ही मालूम हैं। आपके इस प्रयास के बाद हम इस धारणा को तोड़ सकेंगे और हमारे बच्चों को उनके आसपास के विभिन्न व्यवसायों की जानकारी दे सकेंगे।

एजेंडा दस : Teacher Resource Repository

इन दस बिन्दुओं पर बेहतर काम करने वाले शिक्षकों का समूह बनाकर उनमें से कुछ शिक्षकों को National Teacher Resource Repository में शामिल किया जाएगा-

#	थीम	किस प्रकार के कार्यों के आधार पर चयन होगा
1	Early Childhood Care & Education - ECCE	खिलौनो से सिखाना toy-based pedagogy
2	Foundationalliteracy & Numeracy -FLN	अंगना म शिक्षा, Orientation of mothers
3	Curtailing Drop Out rates	शाला त्याग रोकना एवं OOSC को वापस लाना, सेतु पाठ्यक्रम का संचालन
4	Curriculum & Pedagogy in Schools	सीखने-सिखाने के तरीकों में नवाचार, सौ दिन सौ कहानियाँ, अनुभव-आधारित शिक्षण Experientiallearning
5	Innovative Teachers	पीएलसी द्वारा किये जा रहे नवाचार, नवाचार करने हेतु माहौल बनाना, बीआरसी सीआरसी से शिक्षकों का क्षमता विकास कार्यक्रम
6	Equitable & Inclusive Education	बहुभाषा शिक्षण, आदिवासी बच्चों की शिक्षा, विशिष्ट आवश्यकता वाले बच्चों की शिक्षा, बालिका शिक्षा एवं ट्रांसजेंडर बच्चों की शिक्षा
7	Effective Governance through School Complex	शासकीय एवं निजी स्कूलों के बीच पार्टनरशिप, शालाओं एक बीच संसाधनों का बेहतर उपयोग
8	Standard setting and Accreditation	स्कूलों के प्रदर्शन के आकलन हेतु टूल एवं निरंतर सुधार हेतु आवश्यक प्रयास
9	Technology in Education-NDEAR	शिक्षा गुणवत्ता हेतु आईसीटी, ई-सामग्री बनाना, पेंडेमिक के दौरान सतत शिक्षा सुविधा
10	Vocational Education & Skill building	बच्चों को हाथ से काम करने के अवसर, प्री-वोकेशनल शिक्षा की व्यवस्था, बस्तामुक्त शिक्षा

प्रत्येक बिंदु पर अच्छे से अच्छा काम करें। इसके लिए बनाए जाने वाले ग्रुप में अपने कार्यों को साझा करें और राज्य/ राष्ट्रीय स्तर के रिपोसिटरी में अपना स्थान बनाएं।